मन के मंदिर में प्रभु को बैठाना बात हर एक के बस की नहीं है Bhajans Bhakti Songs

मन के मंदिर में प्रभु को बैठाना
बात हर एक के बस की नहीं है
खेलना पड़ता है जिंदगी से
आशिकी इतनी सस्ती नहीं है

प्रेम मीरा ने मोहन से डाला
उसको पीना पड़ा विष का प्याला
जब तलक ममता
जब तलक ममता
जब तलक ममता है ज़िन्दगी से
उसकी रहमत बरसती नहीं है
मन के मंदिर में प्रभु को बैठाना
बात हर एक के बस की नहीं है

तन पे संकट पड़े मन ये डोले
लिपटे खम्बे से प्रह्लाद बोले
पतितपावन
पतितपावन

पतितपावन प्रभु के बराबर
कोई दुनियाँ में हस्ती नहीं है
मन के मंदिर में प्रभु को बैठाना
बात हर एक के बस की नहीं है

संत कहते हैं नागिन है माया
इसने सारा जगत काट खाया
श्याम का नाम
श्याम का नाम
श्याम का नाम है जिसके मन में
उसको नागिन ये डसती नहीं है
मन के मंदिर में प्रभु को बैठाना

Source:
https://www.bharattemples.com/man-ke-mandir-mein-prabhu-ko-baithana-baat-har-ek-ke-bas-ki-nahi-hai/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw